"मादक पदार्थों के व्यसन के मूलभूत कारण"

अंकित तिवारी

प्रो0 सी0एस0 पाण्डेय

भारत एक ऐसा देश है जो दुनिया के नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादक देशों के बीच में स्थित है। इसके एक ओर सुनहला त्रिकोण (ळवसकमद ज्तपंदहसम) म्यामार, थाईलैण्ड और लाओस है तो दूसरी ओर सुनहला चाँद (ळवसकमद ळतमे ब्वतज) ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान स्थित है। इसलिए यहॉ इनका उत्पादन न होते हुए भी भारत मादक द्रव्य व्यसन का शिकार है। सरकार द्वारा इसको रोकथाम के लिए समय–2 पर प्रयास किया जाता रहा है लेकिन पूर्णतः सफलता नहीं मिल पायी है।

भारत में मादक द्रव्यों का प्रयोग लोग प्राचीन काल से ही करते रहे हैं। प्राचीन काल में मादक द्रव्यों को स्वीकृति भी प्राप्त थी। आम लोग सोमरस का प्रयोग करते थे। अथर्ववेद में भांग के प्रयोग का उल्लेख मिलता है। पुराणों में भांग के लिए 'विजया' शब्द का प्रयोग हुआ है। भारत में अफीम, भांग–गांजा, चरस एवं कोकीन का प्रयोग होता रहा है।